

प्र० 10
पाठ

बजार दर
बजार के भाव

सुप्रिया : सविता, तुमें क्या आदेश
याइथिल कि, क'श बूलिबाकू
याइथिल?

सविता : नाहँ, मूँ बूलिबाकू
याइनाथिलि। मूँ बजारकू
याइथिलि।

सुप्रिया : क'श सबु तुमें
आणिल ?

सविता : आगकू रज आगुहु।
मूँ पिलामानझ पाहँ
लुगापठा किणिबाकू याइथिलि।

सुप्रिया : लुगा दाम त आकाश
छूँलाणि। बजार करिबाकू
ठर लागुहु।

सविता : मूँ 'सरसुठा पूजा' रे
समसुझ पाहँ लुगा
करिथिलि। मो बढ़ भाज
गला मासरे आमेरिकारू

सुप्रिया : सविता, तुम कहाँ गई थी ? क्या
घूमने के लिए गई थी ?

सविता : नहीं, मैं घूमने के लिए नहीं गई
थी। मैं बजार गई थी।

सुप्रिया : तुम ने क्या क्या लाई हो ?

सविता : आगे (कुछ दिन आगे) 'रज' आ
रहा है। मैं बच्चों के लिए कपड़े
खरीदने गई थी।

सुप्रिया : कपड़ों के दाम तो आकाश छू रहे
हैं। बजार जाने में डर लग रहा
है।

सविता : मैंने 'सरस्वती पूजा' में सब के
लिए कपड़े लाए थे। मेरे बड़े भैया
पिछले महीने अमेरिका से आए थे।
लिजा के लिए वहाँ से सुंदर फ्रॉक
लाए थे। लिजा उसे 'पहली रज' में
पहनेगी। लेकिन 'संक्रांति' और
'भूमिदहन' के लिए नये फ्रॉक बनाने

आसिथिले। लिजा पाइँ देहु
गोठे सूम्रर जामा
आणिथिले। लिजा देटा
'पहिल रज'रे पिण्ठिब।
ह्येले 'षंक्रान्ति' आउ 'छूमि
दहन' पाइँ नूआ जामाउ
करिबाकु पट्ठिब।

सूप्रिया : डुमे क'श एथर
'पोडपिठा' करिब नाहीं कि
?

सविता : गला वर्ष मुँ बहूत
पिठा करिथिल। यथा :-
पोडपिठा, काकरा पिठा,
आरिषा पिठा, मण्डा पिठा,
चूम्हि पठर पिठा छत्पादि।
घाइरे समस्तजु पिठा
बाण्डिथिल। एथर बोधनू
मुँ करिबिनि। गाँवु नृ
आ गुडिक आसिथिला। घरु
सरि गलाणि। एवे
नडिआ बजाररु किणिबाकु
पट्ठिब।

सूप्रिया : आजिकालि नडिआठिएर
दाम् त चारि टक्का, पाई
टक्का ह्योळल्लि। गठ वर्ष
मो शाश्व आसिथिले। देह
बहूत नडिआ आणिथिले।
मठे बि खुब घाहाय

पड़ेंगे।

सुप्रिया : क्या तुम इस बार 'पोडपिठा' नहीं
बनाओगी ?

सविता : पिछले साल मैंने बहुत 'पिठा'
बनाया था। जैसे:- पोडपिठा,
काकरापिठा, आरिषापिठा,
मंडापिठा, छुंचिपतर पिठा आदि।
पड़ोस में मैंने सबको पिठा बाँटा
था। इस बार शायद नहीं
बनाऊंगी। गाँव से नारियल लाए
थे। सब खत्म हो गए। अब
नारियल बाजार से खरीदने पड़ेंगे।

सुप्रिया : आजकल एक नारियल के दाम तो
चार या पाँच रुपए हैं। पिछले साल
मेरी साँस आयी थीं। उन्हों ने बहुत
नारियल लाई थीं। मेरी भी बहुत
सहायता की थी।

सविता : हाँ, मुझे याद है। तुमने हमें भी
'पोडपिठा' दिए थे।

सुप्रिया : अच्छा सविता ! रीता की शादी के
समय तुमने कहाँ से गहने खरीदे
थे?

करिथिले ।

सविता : हुँ, मोर मने अछु ।
तुमे आमकू मध्य 'पोठ
पिठा' देइथिल ।

सुधिधू : आज्ञा सविता, रात्रा
बाहाघर बेले तुमे
केउँ गहृणा किणिथिल ?

सविता : मुँ त आगरू किछु
रणि नथिल । कट्टकरू हुँ
सकू गहृणा किणिथिलू । सुनार
दाम् येतेबेले बहुत
बढ़ि याइथिला । परे
अबश्य कमि याइथिला ।
ठमे केबे रिअ बाहाघर
करून कि ?

सुधिधू : हुँ, गोठे जागारे
ठिक् करिथिलू । बरघर
बहुत योतुक मागिले ।
आमे मना करिदेइथिलू ।
बाहाघर बन
होइयाइथिला । एवे पुणि
आउ गोठे जागारे ठिक्
करिबू । येमाने बहुत
भल लेक । आर मास
पन्नर तारिखरे बाहाघर
करिबू ।

सविता : मैंने तो पहले कुछ नहीं रखा था ।
कट्क से ही सब गहने खरीदे थे ।
सोने का दाम तब बहुत बढ़ गया
था । बाद में अवश्य कम हो गया
था । तुम बेटी की शादी कब कर
रही हो ?

सुप्रिया : हाँ, एक जगह ठीक किया था ।
लेकिन वर के घरवालों ने बहुत
दहेज माँगा । हम ने इनकार कर
दिया था । शादी रुक गई थी । अब
फिर एक और जगह ठीक की है ।
वे बहुत अच्छे लोग हैं । अगले
महीने की पंद्रह तारीख को शादी
करेंगे ।

शब्दार्थ

ओडिआ शब्द	हिंदी अर्थ
ରଜ	ରଜ (ଓଡ଼ିଶା କା ଏକ ପ୍ରଧାନ ପର୍ଵ)
ଲୁଗାପଟା	କପଡ଼ା
ଦାମ	ଭାଵ, ଦାମ, କୀମତ
ଆକାଶ	ଆକାଶ
ଡର	ଡର
ସରସ୍ଵତୀ ପୂଜା	ସରସ୍ଵତୀ ପୂଜା
ବଡ଼ଭାଇ	ବଡ଼ା ଭାଈ
ଜାମା	ଫ୍ରୋକ
ପହିଲି ରଜ	ପହଲୀ ରଜ
ସଂକ୍ରାନ୍ତି	‘ସଂକ୍ରାନ୍ତି’
ଭୂମି ଘରୁନ	‘ଭୂମିଦହନ’
ପୋଡ଼ି ପିଠା	ଚାଵଲ, ଉଡ଼ଦ ଦାଳ, ଛେନା, ନାରିଯଳ ଓର ଗୁଡ଼ ସେ ବନା ଖାଦ୍ୟ
ଛୁଟିପଢ଼ର ପିଠା	ଚାଵଲ, ଉଡ଼ଦ ଦାଳ, ନାରିଯଳ ଓର ଗୁଡ଼ ମିଲାକର ଉବାଲା ହୁଆ ପାନୀ କେ ଚାପ ମେଂ ହଲଦୀ କେ ପତୋ ମେଂ ବନା ଖାଦ୍ୟ
ଏଣ୍ଟୁରି ପିଠା	ଚାଵଲ, ଉଡ଼ଦ ଦାଳ, ନାରିଯଳ, ଗୁଡ଼ ଆଦି ସେ ବନା ଖାଦ୍ୟ
ନଢ଼ିଆ	ନାରିଯଳ
ଚାରିଟଙ୍କା	ଚାର ରୂପେ
ପାଞ୍ଚଟଙ୍କା	ପାଁଚ ରୂପେ
ସୁନା	ସୋନା
ବଢ଼ିଯାଇଥିଲା	ବଢ଼ ଗ୍ୟା ଥା
ଅବଶ୍ୟ	ଅବଶ୍ୟ
କମିଯାଇଥିଲା	କମ ହୋ ଗ୍ୟା

घोड़ुक	दहेज
आरमाए	अगला महीना
पन्धर ढारिख	पंद्रह तारीख
बाहाघर	शादी
गुड़िक	एक से ज्यादा

अभ्यास

I. नीचे दिए गए शब्द-युग्म तथा वाक्य दोहराइए।

- 1) 1. लूगापठा
 2. पट्टिलि रज
 3. गोड़पिठा
 4. आजिकालि
- 2) 1. मूँ घरघुड़ी पूजारे समस्तज्ञ पाइँ लूगा करिथिलि।
 2. मूँ पिलामानज्ञ पाइँ लूगापठा किणिबाकु याइथिलि।
 3. घविता, कुआठे याइथिल कि ?
 4. नाई, मूँ बजारकु याइथिल।
 5. लूगा दामत आकाश छुछँलाणि।
 6. आजि कालि नडिआठिएर दाम चारिटज्ञा, पाई टका होइछु।

II. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर उनके नीचे दिए गए शब्दों / शब्दयुग्मों का प्रयोग कर वाक्य बनाइए।

- 1) मूँ घरघुड़ी पूजारे समस्तज्ञ पाइँ लूगा करिथिलि। 2) घविता कुआठे याइथिल कि ?
- | | |
|------------------|----------|
| त्रुममानज्ञ पाइँ | केमिटि |
| घेमानज्ञ पाइँ | काहिँकि |
| पिलामानज्ञ पाइँ | केबे |
| झामानज्ञ पाइँ | केतेबेले |
| घरलोकज्ञ पाइँ | केउँआडे |

3) तुमे आमकू <u>पोढ़पिठा</u> देखथिल।	4) <u>लूगा दामत</u> आकाश छुछँलाणि।
काकरा पिठा	दरदाम
आरिषा पिठा	परिबा दाम
एश्चुरि पिठा	ठेल दाम
छुअ्हिपठर पिठा	नडिआ दाम
मण्डा पिठा	चिनि दाम
5) नाइँ, मूँ <u>बजारकू</u> याइ नथिलि।	
मूलकू	
अपियकू	
कुआड़कू	
बगिचाकू	
आम्बुडोटाकू	

III. कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

(साइरे, सरस्वती पूजारे, रज, जामा, पोढ़पिठा)

1. आगकू _____ आपुट्टि।
2. लिजा पाइँ सुन्नर _____ आणिथिले।
3. मूँ _____ समस्तुक पाइ नूआ लूगा करिथिलि।
4. तुमे क'ण _____ करिब नाहिँकि ?
5. मूँ समस्तुक्कु _____ पिठा बाणिथिलि।

IV. (क) वर्ग में दिए गए वाक्यांशों के साथ (ख) वर्ग के उपयुक्त शब्द जोड़कर वाक्य बनाइए।

(क)	(ख)
लूगा दामत आकाश	बाणिथिलि
साइरे समस्तुक्कु पिठा	छुछँलाणि
गठबर्ष मो शाश्व	करि हेबनि
बरवर बहुउ	आणिथिले
एथर बोधहूँए	योतुक माणिले

V. कोष्ठक में दिए गए शब्दों के उपयुक्त रूपों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

1. मूँ _____ याइनथिलि । (बजार)
2. मूँ समस्त फाल्ले लुगा _____ । (कर)
3. लिना घेइटा पह्निलि _____ पिछिब । (रक्ष)
4. गाँरु नहिआ _____ । (आस)
5. तुमे _____ मध्ये पिठा देइथिल । (आम)

VI. कोष्ठक में दिए गए शब्दों का सही स्थान पर प्रयोग कर दिए गए वाक्यों का विस्तार कीजिए।

उदाहरण (1) : मो बड़ भाइ आसिथिले । (गला मासरे, आमेरिकारू)
मो बड़ भाइ गला मासरे आमेरिकारू आसिथिले ।

1. मूँ भुवनेश्वर याइथिलि । (कालि सकाले, बसरे)
2. बापा बजाररू परिवा आशिथिले । (कालि, भलि)
3. घेमाने पाञ्च वर्ष धरि गाँरे रहूथिले । (कठकर, एक)
4. आमघरकु आसन्न । (परदिन, शाइबाकु)
5. मो उत्तरीर बाह्याघर । (आसन्ना मास, पन्नर तारिखरे)
6. तुमे आमकु पोढ़पिठा देइथिल । (कालि गृचिकर)
7. घे देइथिले । (पिलामानझु, नूआवह्नि)
8. तु देइथिलू । (आममानझु, पिठा)
9. तुमेमाने देइथिल । (घाङमानझु, कलम)
10. आपश देइथिले । (उत्तराङ्गु, शाढ़ी)
11. आपशमाने देइथिले । (घेमानझु, आरिषा पिठा)
12. घेमाने देइथिले । (शिक्षकमानझु, उपहार)

VII. उदाहरण के अनुसार तीन शब्दों का प्रयोग कर दिए गए छोटे वाक्यों का विस्तार कीजिए।

उदाहरण :- आमेमाने शाइलू ।
कालि आमेमाने ताङ्गरे पोढ़पिठा शाइलू ।

1. तुमे देखिथि॒ल ।
2. मूँ लेखिथि॒ल ।
3. योमा॒ने छुलिथि॒ले ।
4. रमा गाइथि॒ला ।
5. आपशं बाह्नि॒थि॒ले ।

VIII. कोष्ठक में दिए गए हिंदी शब्दों के समानार्थक ओडिया शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

1. मूँ गला मासरे मधिर ____ | (गया था)
2. बापा केबे ____ ? (आए थे)
3. लिजा पाइँ, सून्धर जामा ____ | (लाए थे)
4. तुमे क'ण पोहुं पिठा ____ | (नहीं करोगे)
5. ये मठे बि ____ | (मदद किया था)

पढ़िए और समझिए

र1ता॒र बा॒ह्ना॒घर

रीतार बाहाघर

पालगून मासरे र1ता॒र बा॒ह्ना॒घर हो॑उथि॒ला। ये दिन यकालू र1ता॒र हुलदि॒आ पाट शाढ़ि पिन्धि॒थि॒ला। केते गहृणा पिन्धि॒थि॒ला। र1ता॒र भारि सून्धर दिशुथि॒ला। यंग बेले र1ता॒र बर आयि॒ला। केते बरयात्रु॑ आयि॒थि॒ले। हुलहुलि॑ पड़ि॒थि॒ला। शंख बान्धि॒थि॒ला। र1ता॒र ओ ता॑ बर मूकुट पिन्धि॒थि॒ले। योमा॒ने बेदा॒ उपरे बयि॒थि॒ले। येरि॑ पूरोहि॒त मन्त्र पढ़ि॒थि॒ले ओ हौम करिथि॒ले। र1ता॒र बर उच्चुल ये मध्य बेदा॒रे प्रसन्नता॒र यहि॒त बयि॒थि॒ले। ताङ्कर परिबारर यमस्तु यदस्यमा॒ने बेदा॒र चारिपाशरे बयि॒थि॒ले।

नवदप्ति॒ज्ञ॑ देखि यमस्तु खुयि॑ हुउथि॒ले। आउ मध्य ताङ्कर अनेक पाटो॑ उतो॒उथि॒ले।

र1ता॒र ओ उच्चुल दूँहे॑ बहु॒ सून्धर देखायाउथि॒ले। र1ता॒र उत्तरा॑ शिखा, र1ता॒र ओ उच्चुलकर हृतगश्चि॑ पिटा॒उथि॒ला। आउ हृतगश्चि॑ बदलरे योमा॒ने ताकु॑ गोटि॒ए उपहृार पूरूप पाट शाढ़ि॒टि॒ए देले।

शुभ मूहूर्तरे बा॒ह्ना॒घर आरम्॒ हो॑उ बिभिन्न॑ प्रकारर कर्मविषि॑ अनुसारे शेष हो॑उथि॒ला। यस्तु अठिथि॑ एवं परिबारर यदस्यमा॒ने नवदप्ति॒ज्ञ॑ आर्णीबाद

देवरथिले। तापरे समग्रे भोजि खाइथिले। समग्रे भोजिकू आनंद सहकारे उपभोग करि खाइथिले। येइ भोजिरे आमिष, निरामिष ओ मिठा इच्छादि चिआरि करायाइथिला।

उक्कल ओ ताङ्क परिबार नूआबोहूकू शुभ मूहूर्त देखि ताङ्क घरकू नेइयाइथिले। ताङ्क पाञ्चरे रातार बढ़ भाइ भाउज मध्ये याइथिले। राता शाश्वत घरकू गलाबेले बहुत कान्धिथिला।

शब्दार्थ

ओडिशा शब्द	हिंदी अर्थ
पाल्शुन् मास	फागुन का महीना
हृलदिआ	पीला
पाट	'पाट', रेशम (टरसर)
गद्धशा	आभूषण
बर	वर, दुल्हा
बरयात्रि	वरयात्री, बाराती
हूलहूलि	फूल-फूलि (मुँह के भीतर की ओर से की जानेवाली एक मंगल-ध्वनि)
शाङ्क	शंख
मूकुट	मुकुट
बेदी	मंडप
पूरोहित	पुरोहित
मन्त्र	मंत्र
हृतम्	यज्ञ
उपहार	उपहार
शुद्धि	खुशी
परदिन	पिछले दिन
शाश्वतघर	ससुराल

કાદ્યથીલા	રોઈ થી
પુશ્નૂઢા	આનંદ
પરિબાર	પરિવાર
ફાળા	તસવીર
શૂદ્ધા	સુંદર
યોઢિ	જોડી, યુગ્મ, દો
ભરણી	બહન
છૂટગણી	હસ્તવંધન, કરવંધન
શૂભમૂદ્દૂર્બ	અચ્છા સમય, શુભ મુહૂર્ત
બિધિ	નિયમ
શેષ દ્રોજથીલા	ખત્મ હો ગયા થા
અચિથિ	અતિથિ
એદશપમાને	સદસ્યો
નવદર્શિ	નવદંપતિ
આશાર્વાદ	આશીર્વાદ
ભોજિ ખાલથીલે	ભોજન કિયા થા
આનંદ ઘરુકારે	આનંદ કે સાથ
ઉપભોગ	ઉપભોગ
આમિષ	આમિષ
નિરામિષ	નિરામિષ
મિઠા	મિઠાઈ
નૂଆબોદૂ	નર્ઝ બહુ
ઘરકુ નેજયાલથીલે	ઘર મેં લે ગાએ થે / ગર્ઝ થીં
બઢાલ	બડા ભાઈ
ભાଉન્ન	ભાભી

અભ્યાસ

I. अनुच्छेद के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. र1तार बाहाघर केबे होइथिला ?
2. र1ता केउँ रङ्गर पाट शाढ़1 पिण्ठिला ?
3. र1तार बर केतेबेले आसिला ?
4. र1ता ओ ता' बर केउँठ बस्थिले ?
5. पूरोहित क'ण करिथिले ?
6. र1ता शाश्व घरकु गलाबेले क'ण करिथिला ?
7. उद्धुल किए ?
8. केउँमाने देद1र चारिपाखे बस्थिले ?
9. काहूर फंटो उठिथिला ?
10. केउँमानज्जर येडि सुन्दर देखायाइथिला ?
11. किए हातगाँव पिण्ठाइथिला ?
12. शिखा किए ?
13. शिखाकु उपहारसुरूप क'ण मिलिथिला ?
14. र1ता बिदा हैबा समयैरे ताङ घरु किए किए याइथिले?

II. अनुच्छेद में वर्णित नीचे दी गई घटनाओं को क्रमानुसार लिखिए।

1. र1ता शाश्व घरकु गलाबेले बहुत कान्हिथिला।
2. र1ता शाश्व घरकु याइथिले।
3. परिवारर यदस्यमाने नबदम्भिकु आर्णीबाद देइथिले।
4. पूरोहित मन्द पढ़िथिले।
5. र1तार बड़ भाइ भाउज ताङ याङरे याइथिले।
6. बरयात्रु आसिथिले।
7. र1ता गहृणा पिण्ठिला।
8. समये उपहार देइथिले।
9. शुभ मूहुर्तरे बाहाघर आरम्भ होइथिला।
10. समये भोजिकु आनन्द सहकारे उपत्रोग करि खाइथिले।

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

शरत पूर्णमा¹ है उन्हि 'कार्तिक पूर्णमा'। एहार नाँ 'कुमार पूर्णमा' है ले मध्य एहा प्रकृतरे कुमारामानकर उम्बर। अविवाहित हिंमाने भल बर पाइबा पालँ एहिदिन चम्बुलु पूजा करन्ति। येदिन सबु हिंदू नूआ लुगा पिन्नन्ति। पूलरे सज छूथन्ति। यंग बेलकु खल, कदल¹, छेला, गुड़, चकटि जहूर प्रतिकूवि करन्ति। जहूकु पूजा देइ दिनयाक उपास करिथिबा हिंमाने येइ चान्दकु खाआन्ति।

पूर्व बर्ष अपेक्षा ए बर्ष पूजा भल होइथिला। प्रायु प्रतेकज्ञ घरे पूलकोठि सजायाइथिला। सबु हिंमाने मिशि यंगबेले जहूपूल, कानुडि पूल, गण्ठीउलि पूल चत्तरा (बृद्धाबत्ता) जि पाखरे पूजा करिथिले। जल्ल पूलरे पूलकोठि सजायाइथिला। उल्लरे गार नघाणि पूल थोर अठि युद्धर देउल रथर परिकल्पना ओ ता'र छाआरि करिबा कलात्तुकतार उदाहृत।

परिष्कार आकाशरे अठि युल्ल किरण बिछुएकिरण चम्बुकु देखि हिंमाने मनशोला आनन्द उपतोग करिथिले। परिवारर यमस्तु येइ आनन्दरे भागीदार होइथिले।

सबु उम्बर परि एथिरे मध्य भिन्न भिन्न प्रकारर पिठापशा तिआरि हैउथिला। हिंमाने शिल खेलिथिले। एबे लुठो, कबाडि ओ शब तिआरि खेल मध्य खेला याउन्हि। अविवाहित हिंमाने 'कुमार पूर्णमा' र गाउ बोलन्ति एवं बोद्धुचोरा आदि खेल खेलन्ति। कुमार पूर्णमार अन्य नाँ कुआँर पूनेँल। हिंमाने गाउ गाइथान्ति 'कुआँर पूनेल जहूगो पूल बउल बेशी'।

IV. ओडिआ में अनुवाद कीजिए।

मैं पिछले साल संबलपुर गई थी। वहाँ बहुत सारी साड़ी की ढुकानें थीं। वहाँ सुंदर सुंदर पाट की साड़ियाँ देखी थीं। मैंने अपने लिए दो साड़ियाँ लाई थीं। मेरे सहेलिओं के लिए एक एक साड़ी लाई थी। वहाँ से कुछ परदों का कपड़ा भी मैंने खरीदा था। ये कपड़े मेरे भाई के नये घर केलिए हैं। मुझे नई जगह देखना बहुत पसंद है। पिछले साल अपने कुछ मित्रों के साथ हीराकुद देखने के लिए गई थी। वह मेरा एक अच्छा अनुभव था। आनेवाली छुट्टियों में मैं ओडिशा के बाहर के जगहों को देखने केलिए जाऊँगी।

V. अपनी देखी हुई किसी शादी के बारे में ओडिआ में एक छोटा अनुच्छेद लिखिए।

टिप्पणियाँ

I. इस पाठ में निम्न प्रकार के वाक्यों का प्रयोग हुआ है :-

- | | |
|---|--|
| 1. गलाबर्ष मूँ बहूउ पिठा किथिलि ।
थीं ।
गलाबर्ष मुँ बहुत पिठा करिथिलि । | पिछले वर्ष मैं ने बहुत पिठा बनाई
सविता ! कहाँ गई थी ? |
| 2. एबिटा ! कुआड़े याइथिलि ?
सविता ! कुआड़े जाइथिलिक ? | |
| 3. नाइँ मूँ बजारकु याइथिलि ।
नाइँ मुँ बजारकु जाइथिलि । | नहीं, मैं बाजार गई थी । |

उपर्युक्त वाक्यों में पूर्ण भूतकालिक क्रियाओं का प्रयोग हुआ है। ये हिंदी के 'किया था', 'गया था' जैसे प्रयोगों के समान हैं। मूल क्रिया के साथ पुरुष और वचन के अनुसार '-थिल' (-थिल), '-थिलि' (-थिलि), '-थिला' (-थिला), '-थिलै' (-थिले) सहायक क्रियाएँ जोड़ने से पूर्ण भूतकाल की क्रियाएँ बनती हैं।

उत्तमपुरुष

एक वचन	मूँ याइथिलि । मुँ जाइथिलि ।	मैं गया था / गई थी ।
बहुवचन	आमे / आमेमाने याइथिलू । आमे / आमेमाने जाइथिलु ।	हम / हमलोग गए थे/गई थीं ।
	आमे॒ / आमेमाने॒ याइथिलू॑ । आमे॒ / आमेमाने॒ जाइथिलू॑ ।	हम / हमलोग गए थे/गई

मध्यमपुरुष

एकवचन	ठू याइथिलू । तु जाइथिलू ।	तू गया था / गई थी ।
	ठूमे / ठूमें॒ याइथिल॒ । तुमे॒ तुम्हे॒ जाइथिल॒ ।	तुम गए थे / गई थीं ।

बहुवचन	छूमेमाने / छूमेमाने याइथिल । तुमलोग गए थे / गई थीं । तुमेमाने/ तुम्हेमाने जाइथिल ।	
	आपठ / आपठमाने याइथिले ।	आपलोग गए थे / गई
		थीं ।
	आपण/ आपणमाने जाइथिले ।	
		अन्यपुरुष
एकवचन	द्ये याइथिला ।	वह गया था / गई थी ।
	से जाइथिला ।	
बहुवचन	द्येमाने याइथिले ।	वे (लोग) गए थे / गई थीं ।
	सेमाने जाइथिले ।	

(2) और (3) वाक्य यथाक्रम पूर्ण भूतकाल के प्रश्नार्थक और निषेधार्थक वाक्य हैं।

II. रज -

यह ओडिशा के कृषि पर आधारित एक बड़ा त्योहार है। जून के महीने में संक्रांति के पूर्व एक दिन और अगले दो दिन यह त्योहार मनाया जाता है। उन दिनों लड़कियाँ घर में कुछ काम नहीं करतीं।

पोड़पिठा -

यह एक पकवान है। 'रज' के त्योहार पर ओडिशा में लोग पोड़पिठा बनाकर रखते हैं। चावल, उड़द दाल, छेना, गुड़, नारियल और गरम मसाला डालकर यह पोड़पिठा बनाया जाता है।

हातगांठि -

यह शादी के धर्मक्रियाओं में एक प्रधान क्रिया है। शादि के वेदी के ऊपर अग्नि को साक्षी मान कर लड़की के हाथ के ऊपर लड़के का हाथ रख कर कुश से बाँधा जाता है। यह काम पुरोहित ही करते हैं। इस गांठ को 'हातगांठि' कहते हैं और लड़की की बहन इसे खोलती है। 'हातगांठि' खोलनेवाली लड़की को उपहार के रूप में दुल्हा कपड़ा या रुपए देते हैं।